छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

फोन नं:-07162-292970 मेल: -registrarchhiuni@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 5093 / परीक्षा / छि.वि.छि. / 2021 दिनांक : 15 / 06 / 2021

/ / अधिसूचना / /

(स्वाध्यायी स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध की समय सारणी एवं निर्देश सत्र 2020–21)

सर्व संबंधितों के सूचनार्थ कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण के परिप्रेक्ष्य में तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए यह अधिसूचित किया जाता है कि सत्र 2020-21 की छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की स्नातकोत्तर स्तर (गैर प्रायोगिक) M.A./M.SC.(Mathametics)/M.COM. (Non Practical Subject Only) के स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (स्वाध्यायी) की परीक्षाएं ओपन बुक पद्धति से आयोजित किये जाने हेतु समय सारणी घोषित की जाती है।

समय सारणी

ओपन बुक पद्धति से आयोजित परीक्षा की कक्षाएं स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध सत्र 2020–21

M.A./M.SC.(Mathametics)/M.COM. (Non Practical Subject Only)

क्रमांक	कार्य संपादन की तिथियां	परीक्षार्थी एवं महाविद्यालयों द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्य	रिमार्क
1	20-06-2021	विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त सभी कक्षाओं के प्रश्नपत्र विश्वविद्यालय की Website www.cuc.ac.in में अपलोड करना	
2	21-06-2021	परीक्षार्थी द्वारा विश्वविद्यालय की M.P.Online की Website cuc.mponline.gov.in के माध्यम से प्रवेश पत्र व उत्तरपुस्तिका जमा करने की पावती डाऊनलोड किया जाना।	
3	21-06-2021 से 23-06-2021	परीक्षार्थी कक्षावार / विषयवार प्रश्नपत्र www.cuc.ac.in से डाऊनलोड करें एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप उत्तरपुस्तिकाओं में विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार अपने निवास स्थान पर रहकर स्वलेखन से प्रश्नपत्रों को हल करें	
4	24-06-2021 से 25-06-2021	परीक्षार्थी उसी परीक्षा अग्रेषण केन्द्र (महाविद्यालय) में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ एक ही समय में जमा करें, जहां से छात्र स्वाध्यायी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा आवेदन पत्र अग्रेषित कराया है।	
5	27-06-2021 से 29-06-2021	महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाना।	
6	27-06-2021 से 02-07-2021	महाविद्यालय द्वारा मूल्यांकन करने के पश्चात अंकों को विश्वविद्यालय की M.P.Online की Website cuc.mponline.gov.in के G2G Login के माध्यम से विश्वविद्यालय को प्रविष्टि करें।	

//परीक्षार्थियों हेतु निर्देश//

(केवल स्वाध्यायी स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध (अन्तिम वर्ष) सत्र 2020–21 के परीक्षार्थियों हेतु)

1. परीक्षार्थियों को उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ (मुख्य पृष्ठ) का प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा विश्वविद्यालय की एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट पर प्राप्त होगा। परीक्षार्थी उक्त मुख्य पृष्ठ को डाऊन लोड (DOWNLOAD) करेंगे एवं उसमें उल्लेखित सभी कॉलम की पूर्ति करने के उपरांत मुख्य पृष्ठ को अपनी उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के रूप में संलग्न करेंगे। मुख्य पृष्ठ एवं प्रवेश पत्र सहित उत्तरपुस्तिका के कुल पृष्ठों की संख्या 20 होगी, मुख्य पृष्ठ सहित उत्तरपुस्तिका के समस्त पृष्ठ रजिस्टर के ए–4 साईज कागज के होने चाहिए।
2. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के द्वितीय पृष्ठ के रूप में अपने प्रवेश पत्र की छायाप्रति चस्पा करेंगे या स्टेपल करेंगे।
3. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर उत्तरपुस्तिका की कुल पृष्ठ संख्या (लिखित पृष्ठों की संख्या सहित) अंकित करेंगे।
4. परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका के सभी पृष्ठों को इकट्ठा कर साइड से 01 ऊंगली बराबर मोड़कर ऊपर नीचे और बीच में 03 स्टेपल पिन लगाकर उसे उत्तरपुस्तिका के रूप में बना लेंगे।
5. शब्द सीमा अधिकतम 300 शब्दों में होगी, 300 शब्द से अधिक शब्द होने पर परीक्षार्थी के अंक काटे जावेंगे।
6. परीक्षार्थियों को समस्त प्रश्नपत्र छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय छिन्दवाड़ा की वेबसाइट (www.cuc.ac.in) में दिनांक 20/06/2021 से उपलब्ध रहेंगे।
7. परीक्षार्थी समस्त प्रश्नपत्र सूची में उल्लेखित वेबसाइट से अपने साधनों के माध्यम से डाऊनलोड (DOWNLOAD) करेंगे। समस्त प्रश्नपत्रों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उत्तरपुस्तिका में स्वयं अपने निवास में रहकर ही हल करेंगे एवं हल की हुई समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ एक ही समय में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार अपने महाविद्यालय/अग्रेषण केन्द्र में जमा करेंगे।
8. परीक्षार्थी उत्तर लिखने हेतु केवल काले या नीले बॉल पेन का प्रयोग करेंगे।
9. यदि प्रश्नपत्र का प्रारूप खण्डो में विभाजित है अ,ब,स तो प्रत्येक खंड के लिए नवीन पृष्ठ से उत्तर लिखना प्रारंभ किया जाए अर्थात अ खण्ड के उत्तर समाप्ति के उपरांत खण्ड ब के लिये नवीन पृष्ठ से लिखना प्रारंभ किया जाये एवं खण्ड स के उत्तर अगले नवीन पृष्ठ से प्रारंभ किये जाए।
10. उत्तरपुस्तिका स्वयं लिखित होनी चाहिये। स्वलिखित उत्तरपुस्तिका ना होने की स्थिति में परीक्षा निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।
11. परीक्षार्थी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय अवधि में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं एक साथ एवं एक ही समय में **उसी परीक्षा केन्द्र/अग्रेषण महाविद्यालय में समस्त उत्तरपुस्तिकाएं जमा करेगा जहाँ का वह स्वाध्यायी विद्यार्थी है**। निर्धारित तिथि पश्चात् उत्तरपुस्तिका स्वीकार नहीं की जाएगी।
12. अपरिहार्य परिस्थितियों में परीक्षार्थी डॉक द्वारा सभी उत्तरपुस्तिकाएं अपने प्रवेश लिए हुए परीक्षा केन्द्र/अग्रेषण महाविद्यालय के पते (Address) में निर्धारित तिथि में प्रेषित कर सकते हैं। अपने परीक्षा केन्द्र/ अग्रेषण केन्द्र के डाक पते (पोस्टल एड्रेस) संबंधित महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध रहेंगे।
13. परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में कठिनाई हो रही हो तो वे प्रवेश पत्र परीक्षा केन्द्र/अग्रेषण महाविद्यालय से प्राप्त करेंगे या विश्वविद्यालय से भी प्राप्त कर सकते है एवं किसी प्रकार समस्या होने पर परीक्षार्थी विश्वविद्यालय द्वारा स्थागित परीक्षा कंट्रोल रूम से दूरभाष क्रमांक 07162-292970 पर संपर्क कर सकते हैं।

14. उत्तरपुस्तिकाओं को जमा करने की पावती (RECIEPT) को भी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र के साथ ही एम.पी. ऑनलाईन (cuc.mponline.gov.in) से डाऊनलोड करके प्राप्त कर सकते हैं।
15. परीक्षार्थी दो प्रतियों में उत्तरपुस्तिका को जमा करने की पावती (RECIEPT) डाऊनलोड करेंगे एवं उसमें अंकित समस्त विवरणों की पूर्ति करेंगे तथा इसके पश्चात समस्त उत्तरपुस्तिकाओं के साथ ही इन दोनों पावती को लेकर अपने महाविद्यालय में जायेंगे और इनमें से एक प्रति प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर करवाने के पश्चात अपने पास रखेंगे एवं अपने स्वयं के हस्ताक्षर सहित दूसरी प्रति संग्रहण कर्ता के पास जमा करायेंगे।
16. समस्त उत्तरपुस्तिकाओं को अपने महाविद्यालय में जमा करने की तिथियों की सूचना परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा घोषित समय सारणी के अनुसार प्राप्त हो सकती है।
17. समय–समय पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर सूचना जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.cuc.ac.in का अवलोकन करते रहे।
18. परीक्षार्थी वही प्रश्नपत्र को हल करें जो प्रवेश पत्र में दिये गये है।

कुल सचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा

पृ.क्रमांक **5094** /परीक्षा/छि.वि.छि./2021 दिनांक 15/06/2021

प्रतिलिपीः–

1. निज सचिव माननीय कुलपति महोदय छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
2. समस्त संबंद्धित महाविद्यालयों के प्राचार्यों की और इस आशय से प्रेषित कि वे विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय समस्त सूचनाएँ विद्यार्थियों के सूचनार्थ महाविद्यालय के सूचना पटल पर आवश्यक रूप से चस्पा करें।
3. परीक्षा नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
5. नोडल अधिकारी एम पी ऑनलाइन की और इस आशय से प्रेषित कि वे उक्त अधिसूचना को वेबसाइट में अपलोड करें एवं साथ ही एम पी ऑनलाइन भोपाल को अग्रेषित करें।
6. स्थापना नस्ती बाबत।
7. बालाघाट,छिंदवाड़ा,सिवनी एवं बैतूल जिलों के समस्त समाचार पत्रों के सम्मानीय सम्पादकों एवं केबल नेटवर्क के प्रबंधकों को इस अनुरोध के साथ अग्रेषित कि कृपया छात्रहित में इस अधिसूचना को अपने लोकप्रिय समाचार पत्र प्रसार माध्यम के आगामी अंक में समाचार के रूप में निःशुल्क प्रसारित करने की कृपा करें।

सहायक कुल सचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

क्र. **5123** / परीक्षा / छि.वि.छि / 2021 छिंदवाड़ा दिनांक 17 / 06 / 2021

/ / संशोधित अधिसूचना / /

विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 5095 / परीक्षा / छि.वि.छि. / 2021 छिन्दवाड़ा दिनांक 15 / 06 / 2021 द्वारा महाविद्यालयों में उत्तरपुस्तिकाएं जमा कराये जाने हेतु समय–सारणी घोषित कि गई थी। महाविद्यालयों के अनुरोध पर तथा शासन के निर्देशानुसार सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए घोषित समय सारणी में आंशिक संशोधन करते हुए संशोधित समय सारणी निम्नानुसार घोषित की जाती हैः–

क्र.	दिनांक	दिन	कक्षा	विषय
1	25 / 06 / 2021	शुक्रवार	स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध स्वाध्यायी	एम.ए. :– दर्शनशास्त्र, लोकप्रशासन, हिन्दी, संस्कृत एम.एस.–सी :– गणित
2	26 / 06 / 2021	शनिवार	स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध स्वाध्यायी	एम.कॉम, एम.एः– अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र

कुलसचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा

पृ.क्र. **5124** / परीक्षा / छि.वि.छि / 2021 छिंदवाड़ा दिनांक 17 / 06 / 2021

प्रतिलिपिः–

1. प्राचार्य समस्त संबद्ध स्वाध्यायी परीक्षा संचालन हेतु अधिकृत महाविद्यालय की ओर भेजकर निवेदन है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय समस्त सूचनाये महाविद्यालय के सूचना पटल पर आवश्यक रूप से चस्पा करे।
2. नोडल अधिकारी एम.पी. ऑनलाइन छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर भेजकर निवेदन है कि उक्त अधिसूचना को एम.पी. ऑनलाइन को अग्रेषित करे तथा परीक्षा आवेदन पत्र भरवाने की तैयारी करे।
3. माननीय कुलपति महोदय के निज सचिव छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा की ओर सूचनार्थ।
5. नगर के समस्त समाचार पत्रों के सम्मानीय संपादकों एवं केवल नेटवर्क के प्रबंधकों को इस अनुरोध के साथ की कृपया छात्रहित में इस अधिसूचना को अपने लोकप्रिय समाचार पत्र / प्रसार माध्यम के आगामी अंत में समाचार के रूप में प्रकाशित करने की कृपा करे।

सहायक कुलसचिव
छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय,छिंदवाड़ा

उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ का प्रारूप - 01

(परीक्षार्थी द्वारा स्वच्छता से भरे जाना आवश्यक है)

1	विश्वविद्यालय का नाम	**छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)**
2	**परीक्षा केन्द्र का नाम और कोड** (प्रवेश पत्र में दिये गये अनुसार ही प्रविष्टि करें)	
3	कक्षा	
4	परीक्षार्थी का स्टेटस (नियमित / स्वाध्यायी / एटीकेटी / भूतपूर्व)	
5	रोल नम्बर (अनुक्रमांक) : अंकों में	
6	एनरोलमेन्ट नंबर (नामांकन क्रमांक)	
7	विषय	
8	प्रश्न पत्र	
9	प्रश्न पत्र शीर्षक	
10	प्रश्न पत्र कोड (प्रवेश पत्र से देखकर लिखें)	
11	उत्तरपुस्तिका जमा करने की दिनांक	
12	केन्द्र पर जमा की गई कुल उत्तरपुस्तिकाओं की संख्या (अनिवार्यतः अधिकतम 20 पृष्ठों व A-4 Size की होंगी।)	

परीक्षार्थी की घोषणा :

उत्तरपुस्तिकाओं में अंकित सभी उत्तर मेरी स्वयं की हस्तलिपि में हैं।

संग्रहण केन्द्र का नाम एवं सील

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी की प्राप्तांक तालिका

खण्ड	पूर्णांक	प्राप्तांक						
		प्रश्न	1	2	3	4	5	कुल
प्राप्तांक (शब्दों) :								

परीक्षक के हस्ताक्षर

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201305

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- प्रथम **प्रश्न का शीर्षक – साहित्यशास्त्र**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– आचार्य भामस्यनुसारं काव्यस्य प्रयोजनं।

अथवा

महाकाव्यस्यस्वरूपे प्रकाशयत्।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– गुणीभूतण्यंग्यकाव्यस्य सर्वेभदानां लिखन क्वचितद्विभेदयोः सोदाहरणं स्पष्टं कुरू।

अथवा

अभिहितान्वयवाद एवं अन्विताभिधानवादस्य परिचयं ददत् दयोभेदं प्रतिपादयत।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– मम्भटस्यनुसारं रसदोषयोपरिहारं कस्यभदां सम्भवं? सोदाहरणं समाधेया।

अथवा

रसदोषस्यप्रकारयों नामोलेखं कुर्वन क्वचितद्वयो रसदोषयो सोदाहरणं निरूप्यताम्।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– 'जयस्ते न पुनर्दश' अस्य विसहन व्याख्या कार्या।

अथवा

मम्मव्स्यनुसारं गुणालंकारश्च भेदं स्पष्ट कुर्वन माधुर्य गुणस्य परिभाषा एवं विभिन्नरसयों तस्थावस्थितिस्य निररूप्याताम्।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– केवुचित व्रयलंकाराणां लक्षण एवं उदाहरणं लिखतु।

1. यमक
2. निदर्शना
3. विभावना
4. व्यतिरेक
5. स्वभावोक्ति

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201306

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- द्वितीय **प्रश्न का शीर्षक – संस्कृत वाड्मय एवं आधुनिक विश्व**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– कौटिल्य अर्थशास्त्र के आधार पर चार विद्याओं पर प्रकाश डालिये।

अथवा

कौटिल्य के अनुसार राजा की षाड्गुण्य नीति पर प्रकाश डालिये।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– रामायण की आधुनिक युग में प्रासंगिकता लिखिये।

अथवा

महाभारत का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– मनुस्मृति में वर्णित धर्म के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

अथवा

मनुस्मृति में वर्णित धर्म के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– अप्पाशास्त्री का जीवन परिचय दीजिये।

अथवा

पण्डिता क्षमाराव की कविता का सारांश लिखिये।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– किन्ही दो पुराणों का स्वरूप और महत्व लिखिये।

1. विष्णु
2. शिव
3. पद्म
4. श्रीमद्भगवत

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201307

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- तृतीय **प्रश्न का शीर्षक – महाकाव्य**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– अधोलिखित में से किन्ही दो पद्यों की संदर्भ –प्रसड़, सहित व्याख्या कीजिए–

(1) गतं तिरश्चीनमनुरूसारणिः प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः।
पतत्यधो धाम विसारि सर्वतः किमेतदिव्याकुलमीक्षितं जनैः।।

(2) चयस्त्विषामित्यवधारित पुरा, ततः शरीरीति विभावितकृतिम।
विभुर्विभक्तावयव पुमानिति, क्रमादमु. नारद इत्यवोधिसः।।

(3) पिशग्ड. मौञ्जीयुजमर्जुनच्छविं, वसानेमेणाजिनमञ्जनद्युति।
सुवर्णसूत्राकलिताधराम्बरां, विडम्बयन्यं शितिवाससस्तनुम्।।

(4) विहग्ड.राजाग्ड. रूहैरिवायतैर्हिरण्ययोर्वीरूहवल्लितनतुभिः।
कृतोपवीतं हिमशुभ्रमुच्चकैर्द्यनं द्यनान्ते तिडताग्ड.णैरिव।।

इकाई–2

प्रश्न 2 :–''माद्ये सन्ति त्रयो गुणाः'' के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'शिशुबालवधम' प्रथमसर्ग का कथासार संक्षेप में लिखिए।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– निम्नलिखित में से किन्ही दो सूक्तियों का संदीं-प्रसग्ड. सहित व्याख्या कीजिए।

(1) पर्यायपीतस्य सुरैर्हियांशोः कलाक्षयः श्लाद्यतरों हि बृद्धे।
(2) सूर्ये तपव्यावरणाय दृष्टेः कल्पेत लोकस्य कथं तमिस्रा।
(3) निर्गलिताम्बुगर्भ शरद्धनं नार्दति चातकोऽपि।
(4) उष्णत्वमग्न्यातपसंप्रयोगाच्छैत्यं हि यत्सा प्रकृतिर्जलस्य।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– रघुवंश पंचम सर्ग के वैशिष्ट्य का निरूपण कीजिए।

अथवा

रघुवंश पंचम सर्ग का सारांश लिखिए।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– महाकाव्य के वैशिष्ट्य का विस्तारपूर्वक मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

महाकाव्य के उद्भव एवम् विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201308

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- चतुर्थम् **प्रश्न का शीर्षक – नाट्यशास्त्र**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– भरतमुनि का परिचय दीजिए।

अथवा

अभिनय गुप्त के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का परिचय दीजिये।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– नाट्यशास्त्र के आधार पर नाट्यगृह के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिये।

अथवा

भरतमुनि के अनुसार मध्यम चतुरंग मण्डप का सचित्र वर्णन कीजिये।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– नाट्यशास्त्र के अनुसार रसो के भेदो का निरूपण कीजिये।

अथवा

नाट्यशास्त्र के अनुसार व्यभिचारी भावों का विवेचन कीजिये।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– अर्थप्रकृतियों की विवेचना कीजिये।

अथवा

पाँच अवस्थओं का वर्ण कीजिये।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– नाटक के स्वरूप को निरूपित करते हुये उसके भेदों का वर्णन कीजिये।

अथवा

नायिका के भेदों का वर्णन कीजिये।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201309

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- पंचम **प्रश्न का शीर्षक – व्याकरण निबंध एवं अनुवाद**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। 2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– उदाहरणं सहितं स्पष्ट कुरूः।

तस्य लोषः

अथवा

तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्

इकाई–2

प्रश्न 2 :– उदाहरण परिभाषा सहितं स्पष्टं कुरूः।

अमितः परितः समया निकषा हा प्रतियोगेऽपि

अथवा

सहयुक्तेड़प्रधाने

इकाई–3

प्रश्न 3 :– उदाहरण सहितं स्पष्टं कुरूः।

स्पृहेरीप्तिसतः

अथवा

भीतार्थानां भयहेतुः

इकाई–4

प्रश्न 4 :– विस्तृत विवेचनं कुरूः।

संस्कृत भाषाया महत्वम्

अथवा

मम् प्रिय कविः कालिदासः

(इति विषयम् अधिकृत स्वविचारान् दीयनाम्)

इकाई–5

प्रश्न 5 :– अनुवादं कुरूः

1. सूर्य पूर्व दिशा से उगता हे।
2. उत्तर भारत में दिल्ली नाम का नगर है।
3. गंगा हिमालय से निकलती है।
4. मैं रमेश के लिए पत्र लिखता हूँ।
5. तुम सब पढ़ोगे।

अथवा

1. एवं स्थेन गमिष्यसि।
2. टहं रेलयानेन अगच्छम।
3. नीता वायुयानेन गच्छतु।
4. त्वं सुखेन गच्छ।
5. विद्या श्रमेण आयाति।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201310

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- षष्टम् **प्रश्न का शीर्षक – रूपक**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– शुद्रक का परिचय देते हुये उनके काव्यकला का वर्णन कीजिये।

अथवा

मृच्छकटिकम का सारांश लिखिये।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– वेणीसंहार का सारांश लिखिये।

अथवा

भीम के चरित्र की विशेषतायें लिखिये।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– मृच्छकटिकम के नाटक की विशेषतायें लिखियें।

अथवा

श्री भट्ट नारायण की काव्यकला का परिचय दीजिये।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– श्री हर्ष के जीवन का परिचय देते हुये उनकी कृति का परिचय दीजिये।

अथवा

रत्नावली नाटिका का सारांश लिखिये।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– प्रमुख नाट्यकृतियों का परियच दीजिये।

मृच्दकटिकम, वेणीसंहार

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201311

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- सप्तम् **प्रश्न का शीर्षक – गद्य, पद्य एवम् चम्पू**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– कादम्बरी महाश्वेतावृतान्त के आधार पर बाणभट्ट की गद्यशैली का वर्ण कीजिए।

अथवा

महाश्वेता का चरित–चित्रण कीजिए।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– रघुवंश त्रयोदश सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा

रघुवंश त्रयोदश सर्ग के आधार पर कालिदास काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– नैषधीयचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

'नैषधीयचरितम्' प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– नल अथवा दमयन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– ''गद्य कवीनां निकषं वदन्ति'' कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अथवा

संस्कृत पद्य एवम् चम्पू काव्यों के उदभव व विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201312

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- अष्टम् (वैकल्पिक) **प्रश्न का शीर्षक – विशेष कवि (कालिदास)**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। 2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– अधोलिखित में से किन्ही दो सूक्तियों का संदर्भ–प्रसग्ड. सहित व्याख्या कीजिए–

(1) अपि स्वदेहात किमुतन्द्रियार्थद्यशोधनानाम् हि यशो गरीयः।
(2) छाया हि भूमेः शशिनो मलत्वेनारोपिता शुद्धिमतः प्रजाभि।
(3) अमर्षणः शोणितकांक्षया किं पदा स्पृशन्तं दशति द्विजिस्वः।
(4) आज्ञा गुरूणामविचारणीया।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– निम्नलिखि तमे से किन्ही दो पद्यों की संदर्भ-प्रसग्ड़ सहित व्याख्या कीजिए-

(1) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं, मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मी तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी, किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृनीनाम्।।
(2) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा तपोधनं वेरिस न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथां प्रमतः प्रथमं कृतामिव।।
(3) शुश्रूषस्व गुरून कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने, पत्युर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मास्मप्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने–भाग्येष्वनुत्सेकिनी, यान्तयेवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्थाधयः।।
(4) अर्थो हि कन्या परकीय एवं, तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतु।
जतो ममायं विशदः प्रकामं, प्रव्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– अधोलिखित में से किन्ही दो श्लोको की संदर्भ प्रसग्ड़ सहित व्याख्या कीजिए।

1) पुराणमित्येव न साधु सर्वं, न चापि काव्यं नमित्यवद्यम्।
सन्तः परीक्ष्यान्रूद्रजन्ते, मूढ परप्रत्ययनेयबुद्धिः।।
(2) पात्रविशेषे न्यस्तं गुणान्तरं, व्रजति शिल्पमाधातुः।
ज्लमिव समुद्रशुक्तौ, मुक्ताफलतां पयोदस्य।।
(3) एकैश्वर्ये स्थितोऽपि प्रणतबहुफलैयः स्वयं कृतिवासा,
कान्तासम्मिश्रदेहोऽप्यविषयमनसां य पुरस्ताद्यतीनाम।
अष्टाभिर्यस्य कृत्स्नं जगदपि तनुभिबिभ्रतो नाभिमानः,
सन्मार्गलोकनाय व्यपनयतु स वस्तामसी वृत्तिमीशः।।
(4) उपदेशं विदः शुद्धं सन्तस्तमुदपदेशिनः।
श्यामायते न युष्मासु यः काञ्चनमिवाग्निषु।।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– पठित अंश के आधार पर नाटक की नायिका उर्वशी का चारित्रिक मूल्यांकृड़न कीजिए।

अथवा

'विकमोर्वशीयम्' नाटक के प्रथम से तृतीय अकृड़ तक का कथासार लिखिए।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– कालिदास की कृतियों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

कालिदास की काव्यकला पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201313

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय – संस्कृत**

प्रश्न पत्र क्र.- अष्टम् (वैकल्पिक) **प्रश्न का शीर्षक – विशेष कवि (भवभूति)**

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। 2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– प्रसंग सन्दर्भ सहित पद्य की व्याख्या कीजिये।

विश्वम्भरा भगवती भवतीयसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वध्बूस्व्वमसि नन्दिनी पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरूर्वयं च।।

अथवा

त्वं जीवितं त्वमसि में हृदय द्वितीयं,
त्वं कौमुदी नयनयोरमृतं त्वमग्ड़े।
इत्यादिभिः प्रियशलैरनुरूध्य मुग्धां,
तामेव शान्तमथवा किमतः परेण।।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– **किसी एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-**

तमांसि ध्वंसनते परिणमति भयानुपशमः
सकृत्संवादेऽपि प्रथत इह चामुत्र च शुभम्।
अथ प्रत्यासंगः कमपि महिमानं वितरति
प्रसन्नानां वाचः फलमपरिमेयं प्रसुवले।।

अथवा

न तस्य राष्ट्रं व्यथते न रिष्यति न जीर्यति।
त्वं विद्वान ब्राह्मणो यस्य राष्ट्रगोवः पुरोहितः।।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– **प्रसंग सन्दर्भ सहित पद्य की व्याख्या कीजिये।**

यन्मा विधेयविषये स भवान्नियुक्त
स्नेक्ष्स्य ततफलमसौ प्रणस्य सारः।
प्राणैस्तोभिरया थवाडभिमतं मदीयैः
कृत्यं घेटत सुहदो यदि तत्कृतं स्यात्।।

अथवा

दया वा स्नहो वा भगवति निजडस्मिञ्शशुजने
भवव्याः संसाराद्विरतमपि चिं द्रवयति।
त्तश्च प्रवज्यासमयसुलभाचारविमुखः
प्रसक्तस्तु यत्नः प्रभवति पुनर्देवमपरम्।।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– **किन्ही दो सुक्तियों का विश्लेषण कीजिये-**

1. पुटपाक प्रतीकाशो रामस्य करूणों रसः।
2. सांसरिकेषु च सुखेषु वयं रसज्ञाः।
3. प्रभवति शुचिर्विम्बराहे भविर्न मृदादयः।
4. सर्वत्र सुखी भवतु लोकः।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– १. उत्तररामचरित नाटक सभी अवस्थाओं में सुख-दुःख का अनुपम अव्दैत है। इस कथन की समीखा कीजियें।
२. आदर्श दाम्पत्य जीवन की झांकी उत्तररामचरित में दर्शनीय है। उदाहरण सहित समझाइये।

अथवा

१. मालती माधव में कामन्दकी का चरित्र चित्रण कर रूपक में की गई भूमिका की विवेचना कीजिये।
२. महावीरचरितम् का सारांश लिखिये।

----------ooo----------

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

(स्वाध्यायी परीक्षार्थी हेतु)

पेपर कोड : 201314

कक्षा – एम.ए. उत्तरार्द्ध **विषय –** संस्कृत

प्रश्न पत्र क्र.- अष्टम् (वैकल्पिक) **प्रश्न का शीर्षक –** विशेष कवि (राजशेखर)

अधिकतम अंक – 50

नोट – 1.सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। 2. सभी प्रश्नों के समान अंक निर्धारित है।

इकाई–1

प्रश्न 1 :– अधोलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये –

आपन्नर्तिहरः प्रराक्रमधनः सौजन्य वारांनिधि–
स्त्यागी सत्यसुधाप्रवाहशशभृतकन्तः कवीनां गुरूः।
वर्ण्यं वा गुणरत्नरोहणगिरेः किं तस्य साक्षक्ष्सौ
देवो यस्य महेन्द्रपालनृपतिः शिष्यो रधुग्रामवीः।।

अथवा

स्थितिः पुण्येडरण्ये सह पिरयो हन्त हरिणैः
फलैमैध्या वृतिः प्रतिदिनं च तल्पानि दृषदः।
इतीयं सामग्री फलति हि विरक्तयै स्पृष्टयतां
वनं वा गेहं वा सदृशमुपशान्तस्य मनसः।।

इकाई–2

प्रश्न 2 :– बालरामायण के अनुसार राम के चरित्र का उदाहरण सहित वर्णन कीजिये।

अथवा

बालरामायण सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

इकाई–3

प्रश्न 3 :– अधोलिखित पद्य की प्रसंग संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये।

धर्मे चार्थे च कामे च मोक्षे च भरतर्षभ।
यदिहासित दतन्यत्र यन्ने हास्ति न तत्क्वचित्।।

अथवा

युधिष्ठिरों धर्ममयो महाद्रुमः
स्कन्धोऽर्जुनो भीमसेनोऽस्य शाखा।
माद्रीसुतौ पुष्पफलेसमृद्धे भूलं
कृष्णो ब्रह्म च ब्राह्मणाश्च।।

इकाई–4

प्रश्न 4 :– सप्रसंग व्याख्या कीजिये -

बाणान् संहर मुंच फार्मुकलतां लक्ष्यं तव त्र्यम्बकः
के नामात्र वशं शिरी''ाकालिकाकल्पं यदीयं मनः।
तत् कारूव्ययपरिग्रहात् कुरू दयामस्मिन् विधेये जने
स्वामिन्!मनमथ!ताहशं पुनरपि स्वप्नाद्भुतं दर्शय।।

अथवा

चन्द्रो जडः कदलिकाण्डमकाण्डशीत
मिन्दीवराणि च विसूत्रितविभ्रमाणि।
येनाक्रियन्ते सुतनोः स कथं विधाता
किं चन्द्रिकां क्वचिदशीतरूचिः प्रसूते।।

इकाई–5

प्रश्न 5 :– एक पद्य की प्रसंग सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये -

मायद्गोपावधूपदप्रेंखितासु दोलासु
विभ्रमवतीषु निषण्णदृष्टिः।
यद्याति खञ्जितततुरंगरथो दिनेशः
तनैव भवन्ति दिवसा अतिदीर्घदीर्घाः।।

अथवा

अग्रे मृंगसरनिनर्णयनयोस्तस्या
मध्ये पुनः क्वथितदुग्धतरंग माला।
पंचाच्च तस्याः सरति तिर्यङ्.निरीक्षितेषु
आकर्णमण्उलित चाप धरोडनग्डः।।

----------ooo----------